"पानी बचायें"

गौरव कुमार सैनी
रूड़की (उत्तराखंड)

पानी आकाश से गिरे तो – बारिश
आकाश की ओर उठे तो – भाप
अगर जमीन पर गिरे तो – ओले
अगर गिरकर जमे तो – बर्फ
फूल पर गिरे तो – ओंस
फूल से निकले तो – इत्र
कहीं जमा हो जाये तो – झील
बहने लगी तो – नदी
आँख से निकले तो – आँसू
शरीर से निकले तो – पसीना
सीमाओं में रहे तो – जीवन
सीमाएं तोड़ दे तो – प्रलय
फिर भी बिन पानी – सब सून

हिंदी भाषा एक ऐसी सार्वजनिक भाषा है, जिसे बिना भेद–भाव प्रत्येक भारतीय ग्रहण कर सकता है।

(अमित शाह, गृह मंत्री)